प्रबंध निदेशक का संदेश

हमारी आघात सहनीयता, अनुकूलनशीलता एवं कोर मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को मजबूत और अधिक सुदृढ़ इकाई बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जो कि बैंकिंग क्षेत्र में समग्र प्रगति को दर्शाता है.

ए. मणिमेखलै
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ

प्रिय शेयरधारकों,

मुझे आपके समक्ष वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए बैंक की उपलब्धियों और वित्तीय कार्यनिष्पादन का अवलोकन प्रस्तुत करते हुए बेहद खुशी हो रही है. महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों के सामने, वित्तीय वर्ष भारतीय अर्थव्यवस्था और बड़े पैमाने पर बैंकिंग क्षेत्र दोनों के लिए अवसरों का मौसम साबित हुआ है. बैंक का लचीलापन, अनुकूलनशीलता और मूल मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को एक मजबूत और अधिक सुदृढ़ इकाई के रूप में आकार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो बैंकिंग क्षेत्र में समग्र उन्नति को दर्शाता है.

हमें रु. 19.28 ट्रिलियन के वैश्विक कारोबार आंकड़े को प्राप्त करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जिसमें रु. 11.18 ट्रिलियन जमा और रु. 8.10 ट्रिलियन अग्रिम शामिल है. हमने वित्तीय वर्ष 2022-2023 में क्रमश: रु. 25,467 करोड़ और रु. 8,433 करोड़ का उच्चतम परिचालन लाभ और शुद्ध लाभ भी हासिल किया है. आस्ति की गुणवत्ता सुदृढ़ रही, सकल एनपीए और शुद्ध एनपीए अनुपात दोनों घटकर क्रमश: 7.53% और 1.70% हो गए. प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) 31 मार्च, 2023 तक सुधरकर 90.34% हो गया. 16.04% की पूंजी पर्याप्तता अनुपात के साथ, हम 11.5% की विनियामक आवश्यकता से काफी ऊपर है. कासा और खुदरा सावधि जमा सहित खुदरा जमा के साथ, जो कुल जमा का 74% है, हमने जमा की एक स्थिर फ्रेंचाइजी और एक सुदृढ़ अग्रिम बही तैयार की है, जहां रैम पोर्टफोलियो बैंक के कुल घरेलू अग्रिमों का 56% है.

डिजिटल परिवर्तन में प्रगति महत्वपूर्ण रही है. इससे हमें ग्राहक अनुभव को समृद्ध करने, परिचालन दक्षता को बढ़ावा देने और नए राजस्व स्रोत उत्पन्न करने की अनुमति मिली है. नवोन्मेष कई खंडों में फैला हुआ है, विशिष्ट उत्पादों और सेवाओं को लॉन्च कर रहा है, जैसे, व्योम मोबाइल ऐप-सभी ग्राहकों के बैंकिंग आवश्यकताओं के लिए एक वन-स्टॉप समाधान; शिशु, किशोर और तरूण

के लिए स्ट्रेट थ्रू प्रोसेसिंग (एसटीपी); मुद्रा एमएसएमई ऋण के लिए एक व्यापक डिजिटल समाधान; खुदरा उधारकर्ताओं के लिए पूर्व-अनुमोदित वैयक्तिक ऋण (पीएपीएल); और कृषि क्षेत्र के लिए केसीसी का शुरू से अंत तक डिजिटलीकरण. हम खाता एग्रीगेटर इकोसिस्टम और मेटावर्स प्लेटफॉर्म में उद्यम करने वाले पहले पीएसबी में से एक थे और अब भारतीय रिजर्व बैंक के सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) फ्रेमवर्क के अधीन लाइव हैं. बैंक की डिजिटल पहुंच बढ़ाने के प्रयास में, हमने देश के 6 जिलों में 7 डिजिटल बैंकिंग इकाइयां (डीबीयू) सक्रिय की है. हमने फिनटेक कंपनियों, ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों और अन्य इकोसिस्टम प्रतिभागियों के साथ सहयोग के माध्यम से अपनी पहुंच एवं पेशकश को और मजबूत किया है.

हमने अपने कारोबार की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए एक मजबूत नींव रखी है. हमने ऋण केंद्रीकरण और वर्टिकलाइजेशन को परिचालित किया है, जिससे स्वर्ण ऋण, शिक्षा ऋण, नकदी प्रबंधन और टीईवी सेल सहित अन्य क्षेत्रों में नए वर्टिकल तैयार हो रहे हैं. कुशल अनुश्रवण के लिए, हमने संव्यवहार और धोखाधड़ी अनुश्रवण सेल की स्थापना की है. एनपीए खातों के समाधान और वसूली में तेजी लाने के लिए, हमने देश भर में एआरबी और एसएएम शाखाएं परिचालित की हैं.

देश में पांचवें सबसे बड़े पीएसबी के रूप में, हम वित्तीय समावेशन और ऋण सुदृढ़ीकरण को बढ़ावा देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हैं. हमारी 59% शाखाएँ ग्रामीण और अर्ध-शहरी केंद्रों में स्थित हैं और 17,600 से अधिक सक्रिय बीसी के साथ, हम ग्रामीण आबादी की सेवा के लिए समर्पित हैं. हम देश

जैसा कि हम अब एक नए वित्तीय वर्ष की शुरूआत कर रहे हैं तो हमें ये विश्वास है कि वैश्विक महामारी के पश्चात की दुनिया में किसी भी चुनौती को जीतने की और प्रत्येक अवसर को प्राप्त करने हेतु सही कार्यनीति, क्षमता तथा संस्कृति हमारे पास है.

भर में अपने 30 आरसेटी और वित्तीय साक्षरता केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण युवाओं सहित बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार प्रशिक्षण प्रदान करना जारी रखे हुए हैं. हम पर्यावरणीय संवहनीयता और कॉर्पोरेट जिम्मेदारी के महत्व की पूरी तरह से सराहना करते हैं. हम अपनी कार्यनीतियों में पर्यावरण, सामाजिक और सुशासन (ईएसजी) कारकों को शामिल करने, समावेशी विकास, नवीकरणीय ऊर्जा और संवहनीय विकास को बढ़ावा देने वाली पहलों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

बैंकिंग उद्योग के तेजी से विकास को समझते हुए, हम कौशल आधारित प्रशिक्षण और लीडरशिप विकास के माध्यम से अपने लोगों को प्रशिक्षित कर रहे हैं. हमने विभिन्न कार्यों में एक विशेष कार्यबल को विकसित करने के उद्देश्य से देश भर में 9 यूनियन लर्निंग अकादमियाँ (यूएलए) स्थापित की हैं. हमारी अनूठी पहल, 'एम्पावर हर' और 'एम्पावर हिम', हमारे कार्यबल को समर्थन, परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए तैयार हैं.

जैसा कि हम एक नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत कर रहे हैं, हमें विश्वास है कि हमारे पास किसी भी चुनौती से निपटने और महामारी के बाद की दुनिया में किसी भी अवसर का लाभ उठाने के लिए सही कार्यनीति, क्षमताएं और संस्कृति है. हम अपने सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य बनाने और भारत का सबसे पसंदीदा बैंक बनने के अपने दृष्टिकोण की दिशा में आगे बढ़ने की अपनी प्रतिबद्धता पर दृढ़ हैं.

मैं हमारे निदेशक मंडल को उनके अमूल्य मार्गदर्शन और अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद देती हूं. हमारे शेयरधारकों, ग्राहकों, विनियामकों और अन्य हितधारकों ने हम पर जो भरोसा और विश्वास दिखाया है, उसके लिए धन्यवाद देती हूं. मैं अपने कर्मचारियों की उनके समर्पण, कड़ी मेहनत और लचीलेपन के लिए सराहना करना चाहूंगी. उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में आश्चर्यजनक साहस दिखाया है और हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने एवं हमारी मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ,

ए. मणिमेखलै
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ